performance of the Railways is always educative for us. We will try our best to live up to their expectations. I appeal to them to extend their continued support and valuable suggestions not only on the floor of the House but even otherwise. Thank you very much.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I shall now put the Resolution moved by the Railway Minister, Shri C.K. Jaffer Sharief, to vote. The question is:

> "That this House approves the recommendations made in paragraphs 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64 and 65 contained in the Ninth Report of the Railway Convention Committee, 1991, appointed to review the rate of dividend payable by the Railway Undertaking to General Revenues, etc., which was laid on the Table of the Rajya Sabha on the 15th March, 1995.

The motion was adopted.

I. THE APPROPRIATION (RAILWAYS) NO. 2 BILL, 1995

II. THE APPROPRIATION (RAILWAYS) No. 3 BILL, 1995

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): Mr. Vice-Chairman, Sir, I move:

> "That the Bill to authorise payment and appropriation of certain sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 1995-96 for the purposes of Railways, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

Sir, I also move:

> "That the Bill to provide for the authorisation of appropriation of money out of the consolidated Fund of India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1993, in excess of the amounts granted for those services and for that year, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

The questions were proposed.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष जी, मैं इलाहाबाद यात्री निवास के बारे में मंत्री जी को याद दिलाना चाहता हूं। यह बात मैं हर वर्ष, 1992 में, 1993 में, 1994 में और 1995 में कह रहा हूं इसको याद दिला रहा हूं। महोदय, आपके जो प्रेडीसेसर थे, श्री जनेश्वर मिश्र, उन्होंने इलाहाबाद में रेल यात्री निवास की घोषणा ही नहीं की थी बल्कि उसका शिलान्यास भी किया था। बाकायदा फक्शन करके उसका शिलान्यास क्रिया गया था। हर वर्ष मंत्री जी इस सिलसिले में आश्वासन देते हैं कि बजटरी कंस्ट्रेंट है लेकिन हम इस पर विचार करेंगे। अब अंतिम वर्ष है, इसलिए मैं चाहता हूं और इस बारे में मैं रिक्वेस्ट भी कर चुका हूं। इस रेल यात्री निवास का काम आगे बढ़ना चाहिए, इलाहाबाद में इसकी जरूरत है। जब एक मंत्री ने इसका शिलान्यास कर दिया है और इसकी घोषणा सदन में की है तो उसको माना जाना चाहिए।

मेरी केवल दो छोटी बातें हैं जिसमें कोई फाइनेंसियल कंस्ट्रेंट नहीं है। दो गाड़ियां वीकली चलती हैं। एक तो 2423 और 2424 गुवाहाटी राजधानी एक्सप्रेस और 2421, 2422 भुवनेश्वर-राजधानी एक्सप्रेस। यह जो भुवेश्वर-राजधानी एक्सप्रेस है यह कानपुर में रूकती है, मुगलसराय में रूकती है। कानपुर में एक 5 मिनट रूकती है और मुगलसराय में 12 मिनट रूकती है और धनबाद में 8 मिनट रूकती है आसनसोल में 8 मिनट रूकती है। मेरा यह निवेदन है कि यह नयी दिल्ली-गुवहाटी-राजधानी एक्सप्रेस और नयी दिल्ली भुवनेश्वर एक्सप्रेस है, इसको इलाहाबाद में भी रोका जाये जैसा कि पहले राजधानी का आपने किया था। इसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं और निवेदन करता हूं कि आप मेहरबानी करके इसकी भी घोषणा कर दें।

डा० मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): यह बड़ी न्यायपूर्ण मांग है। रेलवे सलाहकार समिति करता है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष जी, मुझे एक-दो विषयों की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। शताब्दी एक्सप्रेस चल रही है और यह पूरी एयर-कंडीशंड है। तमाम लोगों ने इसको पसंद किया है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से इनमें एयर-कंडीशनिंग फेल हो रहा है आपकी तरफ से एयर कंडीशनिंग का चार्ज रिफंड करने की बात कही गयी है। 2.20 P.M. अब यह गाड़ी आर्डिनेरी में से कनवर्ट हो नहीं सकती 160 रुपये या 200 रुपये देने के बाद यह तो ब्लैक होल हो जाता है। मेरी आपसे गुजारिश है कि अगर एयर कंडीशनिंग फेल हो तो टोटल रिफंड पैसेंजर्स को होना चाहिए क्योंकि लोग सजा पा कर ही उस गाड़ी में मजबूरी के तौर पर सफर करेंगे। यह आपकी इनायत नहीं होगी एयर कंडीशन फेल होने के बाद। फिर एक दूसरी चीज़ यह है। क्या एयर कंडीशनिंग आप कंट्रेक्ट पर दे रहे हैं? आज यह चर्चा लोगों के सामने चिंता का विषय बनी है। अब तो एयर कंडीशंड गाड़ियां चलाना, रेलवे का इंजिन चलता है ट्रेक्शन से, लेकिन एयर कंडीशनिंग और लाइटिंग होती है, जनरेटर से जनरेटर चलाने का काम कंट्रेक्टर को दिया हुआ है। अब यह कैसे मिक्स हो रहा है दोनों चीजें। मैं पिछले इतवार की बात कहता हूं। भोपाल से दिल्ली आने वाली राजधानी एक्सप्रेस में जेनरेटर में डीजल आयल खत्म हो गया और डीजल आयल न होने की वजह से गाड़ी एक घंटा लेट हुई। मथुरा स्टेशन पर, अंदाजा लगाइये, आप तो बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन नट-बोल्ट का ध्यान नहीं रखते, डीज़ल तो ड्रम में भर कर ले आए लेकिन इंजिन में डीज़ल डालने के फन्नल नहीं थे।

श्री सी० के० जाफर शरीफ: सारी बात माधवराव सिंधिया जी ने मुझे बता दी है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: बहुत अच्छा किया है लेकिन आपका इन चीजों की तरफ भी ध्यान जाए। यह शताब्दी एक्सप्रेस जितनी पापुलर होती जा रही हैं उनकी मेंटेनेंस पर रेलवे पूरा ही कंसर्न रखे। इसकी बहुत जरूरत है।

दूसरी चीज़ बेड रोल्स के बारे में आपने कही। यह तो आपने मान लिया है कि यह बहुत मुमकिन है कि सारा डिमांड आप पूरी नहीं कर सकें। जुर्माना आपने 20 रुपये लगा दिया। मैं एक बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। जब यह नियम लागू नहीं था उस समय भी टावल नहीं मिलता था। चद्दर, कम्बल, तकिया मिलता है लेकिन टावल नहीं मिलता है। अब इतने दिनों तक तो लोगों ने गुजारा कर दिया। अब मजबूरी के तौर पर पैसा ले रहे हैं मैं जानना चाहता हूं कि अगर एक भी आइटम कम हुआ तो फिर पूरे के पूरे 20 रुपये रिफंड करेंगे या नहीं करेंगे? अगर नहीं करेंगे तो यह सिस्टम लोगों को ज्यादा तकलीफ देने वाला बनेगा। आज तक जो मांगते थे पैसा दे कर लेते थे अब आपने सिस्टम में वसूल करना शुरू कर दिया। जिस तरफ की पेंट्रीनेस है, जिस तरह की केटरिंग है, मुझे अफसोस है इसके बारे में पेनल्टी का कोई दूसरा तरीका देखिये। अगर एक भी आइटम कम रहता है तो पूरा पैसा रिफंड करने का इंतजाम करिये।

पार्लियामेंट हाऊस में रेलवे केटरिंग की बड़ी तारीफ होती है। मैं चाहता हूं मिनिस्टर साहब इस पार्लियामेंट हाऊस का जो रिसेप्शन है इसके केटरिंग की तरफ तवज्जो दें। वहां पर सिवाय कोल्ड ड्रिंक्स और कॉफी के कुछ नहीं मिलता। बोर्ड पर मीनू बना हुआ है लेकिन चीजें नहीं मिलती हैं और अपकीप नहीं है। इसका भी ध्यान रखिये। इसकी तरफ भी तवज्जो दीजिये। यह बहुत छोटी छोटी चीज़ें हैं।

but they are earning you a bad name. अगर आप हमारी इन बातों की तरफ ध्यान देंगे तो रेलवे ज्यादा अच्छे तरह से लोगों की सेवा कर सकेगा।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कोई भाषण देने वाली नहीं हूं। केवल दो तीन बातों की ओर रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। पिछले साल रेल मंत्री जी बिहार गये थे। बिहार से एक लम्बित मांग थी कि पटना में रीजनल दफ्तर खोला जाए। बिहार सरकार ने जमीन, सारा इनफ्रास्ट्रचर देने के लिए भी वायदा किया। उस समय रेल मंत्री वहां पर घोषणा करके आ गये। पिछले साल तो इन्होंने किया नहीं शायद जगन्नाथ मिश्रा जी की विशेष सलाह होगी। जगन्नाथ जी अब तो ठिकाने पर आ गये हैं पहले 72 थे, अब 27 पर आ गये हैं.. पहले 72 थे अब 27 हो गये। अब तो रेल मंत्री जी इस बात को मान लें। बिहार सरकार की जो डिमांड है उसको मान लीजिए। पटना में एक रेल पुल बनाने की मांग बहुत दिनों से पड़ी हुई है। उसको भी स्वीकार कर लें कृपा करके। उससे आवागमन की सहूलियत हो जाएगी। मैं धन्यवाद देती हूं कुछ लोगों और बिहार के अन्य साथियों को जिन्होंने यहां बातें उठाई इसी तरह पटना और गया

के बीच की रेल लाइन है। बहुत दिनों से मैंने भी बारम्बार इस सदन में उठाया कि उस लाइन को दोहरी लाइन किया जाए। गया इंटरनेशनल रिलीजियस प्लेस है। सारी दुनिया से बौद्ध लोग वहां आते हैं। हिन्दू भी वहां आते हैं क्योंकि हिन्दू मरने के बाद गया में पिंडदान नहीं करेंगे तो उनको मोक्ष प्राप्त नहीं होगा। मारीशस से, ईस्ट इंडीज से, वेस्ट इंडीज से, कनाडा से अमेरिका से सारी दुनिया से हिन्दू वहां आते हैं.. (समय की घंटी) इसलिए गया में भी दोहरी लाइन करनी है।

तीसरी बात जो मैं उठाना चाहती हूं, भंडारी जी ने भी उसकी कुछ चर्चा की है। पिछली 29 तारीख को मैं रांची जा रही थी, रांची एक्सप्रेस से I was the only Member of Parliament travelling by that train. ए०सी० स्लीपर में जा रही थी। मैंने जब कहा कि बेड रोल ला दो—मेरे साथ तीन और लोग थे, तो साफ कह दिया कि नहीं है। यह भी पता चला कि रेल के किराए के साथ बेड रोल की कीमत 20 रुपये आजकल लेने लगे हैं। जब टी०टी० से पूछा तो उसने कहा कि 20 रुपये वापस कर दिए जाएंगे। मैं यह पूछना चाहती हूं कि हर रोज यह जो 20 रुपया आप रेल की टिकट के साथ लेते हैं तो एयर कंडीशन स्लीपर में सफर करने वाले लोगों की इस सजा का पैसा कब वापस होता है। यह क्यों लिया जाता है? यह धंधा, इस तरह का ओपेन करप्शन, बंद करना चाहिए। या तो जितनी बर्थ्स हैं एयर कंडीशन में उतने ही साफ सुथरे बेड रोल्स देने चाहिए। बिस्तर भी जो सप्लाई करते हैं वे अगर कोई इस्तेमाल करें तो बीमार ही होंगे। कभी धुलते नहीं हैं, साफ नहीं होते। तकिए इतने चीकट और दुर्गन्धमय होते हैं। तो कुछ लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल कीजिए। मुझे इतनी ही कुछ बातें कहनी थी। जगन्नाथ मिश्र जी ने उत्तर बिहार के बारे में भी चर्चा की है, कुछ अन्य साथियों ने भी की है। उत्तर बिहार को रेल लाइन से जोड़ना चाहिए यानी जो पूर्वांचल के प्रांत हैं उनमें बिहार सबसे बड़ा प्रांत है। उसके ऊपर उचित ध्यान दीजिए ताकि रेल का रेल मार्ग का विकास हो। रेल मार्ग का विकास नहीं होगा तो इन प्रांतों का विकास संभव नहीं है यह अति आवश्यक है। बहुत दिन तक हमारी उपेक्षा मत कीजिए। उपेक्षा करते रहेंगे तो फिर हमको भी सोचना पड़ेगा कि केन्द्रीय सरकार के साथ हमारा क्या रवैया होना चाहिए। मुझे इतना ही कहना था। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMA (SHRI SURESH PACHOURI): Now, I put to vote the first motion, the Appropriation (Railways) No. 2 Bill, 1995. the question is:

> "That the Bill to authorise payment and appropriation of certain sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 1995-96 for the purpose of Railways, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

The motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN: We shall now take up clause by clause consideration of the Bill.

Clauses 2, 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI C.K. JAFFER SHARIEF: Sir, before I move that the Bill, as passed by the Lok Sabha, be returned, I would like to respond to the demand made with regard to the Yatri Niwas at Allahabad. Sir, though we have taken up a new project of Budget Hotels in about hundred locations all over the country, I am sure that Allahabad being such an important historical city and also a pilgrim centre will also be one of the locations which will get this benefit. Coming to the Lady Member, there is no need to browbeat me.

क्या रिश्ता होगा, क्या नाता होगा, यह धमकी देने की ज़रुरत नहीं। न रिश्ता-नाता तोड़ने की जरूरत है और न बिगाड़ने की जरूरत है, बल्कि रिश्ता-नाता बनाए रखने की जरूरत है। ...(व्यवधान)... यह सब धमकियों से काम नहीं चलता। ...(व्यवधान)... बेकार के अलफाज़ इस्तेमाल करते हैं।

What I mean to say is that decentralisation is required. There is one problem which we are facing. Some of these routes are historically located. For instance, there are two zones in Bomaby, Central and Western. There are two zones in Calcutta, Eastern and South-Eastern. There is a need to relocate them because that kind of decentralisation

alone can give confidence to the people with regard to all the aspects of economic development in the area.

Sir, I appreciate the demand of the Government and the people of Bihar. It has been long over due. Since we are already thinking about relocation of zones and the creation of more zones, the demand of Bihar will be kept in mind. With these words, I beg to move:

"That the Bill be returned."

The question was put and the motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I shall now put the motion relating to consideration of the Appropriation (Railways) No. 3 Bill, 1995 to vote. The question is:

> "That the Bill to provide for the authorisation of appropriation of money out of the Consolidated Fund of India to meet the amounts spent on certain services for the purposes of Railways during the financial year ended on the 31st day of March, 1993, in excess of the amounts granted for those services and for that year, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

The motion was adopted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): We shall now take up clause-by-cluase consideration of the Bill.

Clauses 2 and 3 and the Schedule were added to the Bill

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI C.K JAFFER SHARIEF: Sir I beg to move:

"That the bill be returned."

The question was put and the motion was adopted

श्री शंकर दयाल सिंह: जाफ़र शरीफ के कारण हम लोगों ने छोड़ दिया, नहीं तो आज यह सरकार गिर ही जाती। जरा संख्या देखिए। ...(व्यवधान)...

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Sir, you adjourn the House. *(Interruptions)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): No more business today.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI); Half-an-hour discussion. *(Interruptions)*...

श्री शंकर दयाल सिंह: सर, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि बृहस्पतिवार को छुट्टी है, शुक्रवार को सदन करने का कोई जिक्र नहीं है। मैं चाहता हूं कि सदन के अधिकांश सदस्यों की राय यही है कि शुक्रवार को भी छुट्टी रहनी चाहिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): यह बिज़नैस एडवाइज़री कमेटी ने उस संबंध में निर्णय ले लिया है, जिसमें सभी राजनैतिक दलों के सदस्य सम्मिलित थे। ...(व्यवधान)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Sir, it is for the Business Advisory Committee to decide, not the House. *(Interruptions)*...

डा० मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): आप सदन की राय ले लीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, it is the Business Advisory Committee which has to decide it. It is not for the House to decide it. *(Interruptions)*...

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय ...(व्यवधान) यह हम लोगों की भावनाओं का सवाल है। ...(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Please be seated. *(Interruptions)*... Now, we will take up the Half-an-Hour Discussion. *(Interruptions)*...

डा० मुरली मनोहर जोशी: वह तो होगा ही, लेकिन आप पहले शुक्रवार के संबंध में सदन का मत ले लीजिए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): You will know the dicision of the Business Advisory Committee. *(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Mr. Vice-Chairman, Sir, they cannot raise it on the floor of the House. It is for the Business Advisory Committee to decide it. *(Interruptions)*... It is for the Business Advisory Committee to decide it. *(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Now, Half-an-Hour Discussion. Shri Viren J. Shah. मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि इसे आधे घंटे में ही समाप्त कर दें।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): How long will it continue?

उसके बाद क्या करेंगे?

THE VICE-CHARIMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I will take the sense of the House.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, you take the sense of the Hosue. You kindly take the sense of the House on the proposal which has been put forward. After that you take up the Half-an-Hour Discussion. *(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, that matter is over now. *(Interruptions)*...

DR. BIPLAB DASGUPTA: That is not over.

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh: Sir, I have to make a submission in this regard. The leaders of all the political parties met in Chairman's Chamber. They all agreed that the House would sit on Friday. Now, they are raising this issue again. It is not proper. All the leaders have agreed that they would work on Friday. There is no question of any holiday. *(Interruptions)*

डा० मुरली मनोहर जोशी: आप सदन का मत ले लें।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, you cannot entertain this any more.

डा० मुरली मनोहर जोशी: फिर यदि सदन अपनी बुद्धि में यह उचित समझता है कि जो कुछ बिजनेश एडवायजरी कमेटी में निर्णय हुआ है, उससे अलग निर्णय लिया जाए तो उसमें क्या आपत्ति है? यह तो हमेशा होता है। बिजनेश एडवायजरी कमेटी का निर्णय कोई नयी बात नहीं है, सदन अपना राय दे सकता है।

श्रीमती मीरा दास (उड़ीसा): सर, हाउस की राय तो सर्वोच्च है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): बिजनेश एडवायजरी कमेटी की जो मीटिंग हुई थी, उसमें सभी राजनीतिक दलों के सदस्य मौजूद थे और जो निर्णय लिया गया है, उसके अनुसार ही कार्यवाही होगी।

श्री मोहम्मद सलीम: वह तो हमेशा ही होता रहा है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): चेयरमैन साहब की सदारत में यह डिसीजन लिया गया है, इसलिए इस संबंध में विचार नहीं किया जा सकता। श्री वीरेन जे० शाह।

श्री मोहम्मद सलीम: उपाध्यक्ष महोदय, बी०ए०सी० को जो निर्णय है, उसमें आप यह व्यवस्था कर दें कि उस पर निर्णय कल तक बता दिया जाए जिससे कि यहां पर कनफ्यूजन नहीं होगा।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): This is final. I have called Shri Viren J. Shah. *(Interruptions)*...

SYED SIBTEY RAZI: Sir, this is not proper. We have already taken the decision in the Business Advisory Committee. The decision which we have already taken cannot be repealed. *(Interruptions)*.

THE VICE CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Wait for another day. *(Interruptions)*.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, I agree with Syed Sibtey Razi. On this issue discussion took place in the Business Advisory Committee. Some friends raised this issue and

suggested some alterations. What I am saying is this I don't know whether the alteration has been made or not. The decision of the Business Advisory Committee should be reported to us

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Tomorrow.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Let it be reported to us tomorrow.

श्री ईश दत्त यादव: माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं एक मिनिट लूंगा। मैं इस विवाद में नहीं जाना चाहता कि बी०ए०सी० का जो निर्णय हुआ है, उसके खिलाफ हम यहां कोई निर्णय लें। यद्यपि हाऊस सुप्रीम है और वह कोई भी निर्णय कर सकता है, लेकिन मेरा आपके माध्यम से यह अनुरोध होगा माननीय सभापति जी से कि इस पर पुनः विचार किया जाए क्योंकि यह अकलियतों की भावनाओं का सवाल है। मान्यवर, ऐसा है कि बृहस्पतिवार 4 तारीख को इनका बकरीद का त्यौहार है जिसे कि देश के कोने-कोने से लोग मनाते हैं। मुझे यह जानकारी है कि इस त्यौहार को दो दिन तक ये लोग मनाते हैं।

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): तीन दिन।

श्री ईश दत्त यादव: तीन दिन मनाते हैं। अब देश के कोने-कोने में लोग जाएंगे। कोई बंगाल में जाएगा और हमारे बड़े भाई मसूद साहब बैठे हैं जोकि 32 घंटे में अपने घर से दिल्ली पहुंचते हैं तो आप बताएं कि वह जाकर, आप बताएं कि बकरीद त्यौहार यह 11 तारीख को वहां मनाते हैं तो 12 तारीख को यहां कैसे आ पाएंगे? यह एक व्यावहारिक कठिनाई है और चूंकि इसका सवाल अकलियत की भावनाओं से भी जुड़ा है, इसलिए मैं निवेदन कर रहा हूं कि बिजनेस एडवायजरी कमेटी इस पर पुनः विचार करें। एक दिन की कटौती कर देने में कोई हानि हमें प्रतीत नहीं होती।

HALF-AN-HOUR DISCUSSION

On points arising out of answer given in the Rajya Sabha on the 24th April, 1995, to Starred Question 281 and Starred Question 291 Regarding production and Demand of sugar and stock position of sugar and edible oils with FCI.

SHRI VIREN J. SHAH (Maharasntra) Mr Vice-Chairman, Sir, this half-an-hour discussion arises out of Starred Question No. 97 which was replied on the 20th March, 1995 and the hon. Chairman desired that it should be deferred because the answers given to the supplementaries were not to his satisfaction. It was not taken up on April 29th because the Hosue adjourned. Why was it deferred? It was deferred because the replies were inadequate. I am very distressed and regret it particularly because the hon. Minister happens to be Mr. Ajit Singh, who has a good educational background and who was in the habit of reading a lot. It so happens that when a person becomes a politician and particularly when he becomes a Minister, his reading habit gets adversely affected. This was brought out very clearly when he replied to the question. From his reply it was very clear that he had not read the Gian Prakash Committee Report. The Report was debated in both the Houses. It was discussed on 19th December, 1994 and 20th December, 1994. There was a statement by the Prime Minister and there was also a statement by the Minister of State in the Prime Minister's Office. It was very clear. Had he looked into them, perhaps, his reply would have been different. I have the transcripts here The hon. Chairman was distressed to say that the Minister should have come to the House more prepared. At least, his officials could have given him more data. I am sure he has come prepared to the House today. He must have read the Report and the other debates. Unlike the Minister, we MPs have a lot of time on our hands and I spend my time in the library reading the entire Report and the debates in both the houses. I am grateful to the hon. Minister for having informed me that the Report was available in the Library. I went through it and I also went through the debate that took place in the Lok Sabha. Now what was the matter? There were three aspects to the question and they were not answered. Question (d), (e) and (f) remained unanswered. Question (d) was: "whether Government